Q. Prof. Knight के लाभ का सिद्धान्त एवं आलोचनाएँ।
Q. लाभ का अनिश्चितता वहन सिद्धान्त की व्याख्या करें।

⇒ लाभ साहसी को मिलने वाला वह प्रतिफल है जो साहसी को उत्पादन कार्य में उसके विशिष्ट सेवाओं के लिए मिलता है। प्रो० हेनरी ग्रेसन के अनुसार - लाभ को नवप्रवर्तन का पुरस्कार तथा बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं का परिणाम कहा जाता है इनमें कोई दशा अथवा दशाएँ लाभ को उत्पन्न कर सकती है।

Prof. Frank H. Knight लाभ को उन जोखिमों और अनिश्चितताओं का पुरस्कार मानते है जिनका बीमा नहीं हो सकता है। Prof. Knight के अनुसार व्यवसायिक जगत में कुछ ऐसे परिवर्तन होते है जो बीमा योग्य और बीमा अयोग्य हो बीमा योग्य जोखीमों को उस सीमा तक मापा जा सकता है जहाँ तक की उनके घटित होने कि सांख्यिकी गणना की जा सकती है जैसे आग लगने, चोरी होने, दुर्घटना में मृत्यु होना इत्यादि। बीमा योग्य जोखिम है जबकि इसके विपरीत बीमा अयोग्य जोखिम वैसा है जिसके नुकसान की कुल गणना नहीं की जा सकती क्योंकि इसमें अनिश्चितता वर्तमान होती है। बीमा अयोग्य जोखिम के अन्तर्गत कीमत, मांग, पूर्ति एवं फैशन आदि में परिवर्तनों के कारण होने वाली जोखिम। Knight के अनुसार लाभ इसी अनिश्चितता को वहन

करने के बदले साहसी को मिलने वाला पुरस्कार है। According to F.H. Knight. "It is uncertainty distinguished from insurable risk that effectively gives rise to entrepreneurial form of organisation and to the much condemned 'profit' as an income from it."

Prof. Knight के लाभ के अनिश्चितता वहन सिद्धान्त की आलोचनाएँ निम्न बिन्दुओं में की जाती है।-

i) उद्यमिता की अस्पष्ट धारणा -

Knight ने अपने लाभ के सिद्धान्त में उद्यमिता की धारणा को स्पष्ट नहीं किया उसके अनुसार अनिश्चितता केवल उद्यमी वहन करता है जो गलत है वर्तमान आधुनिक उद्योगों में निर्णय एवं नियंत्रण के लिए वैतनिक प्रबंधक होते है साथ ही कंपनी का स्वामी अलग होता है और अंततः व्यापक अनिश्चितता स्वामी वहन करता है। इस प्रकार यह सिद्धान्त अवास्तविक बन जाता है।

ii) अनिश्चितता वहन का मापने का कोई यंत्र नहीं:-

एक फर्म को होने वाले लाभ को मापने के लिए कोई अनुभवी अनिश्चितता वहन मापी यंत्र नहीं होने से इसकी प्रमाणिकता खतरे में होजाती है। हम कह सकते है कि prof. Knight लाभ के इस सिद्धान्त में लाभ के गोल-मोल ढंग से प्रस्तुत करता है।

iii) जनसंख्या एवं पूँजी में परिवर्तन अप्रत्याशित -

Knight के अनुसार जनसंख्या एवं पूँजी में होने वाले परिवर्तन पूर्व में ही स्पष्ट होते है परंतु यह तभी होता है जब आकड़ा राष्ट्र स्तर का हो छोटे स्तर पर दोनों परिवर्तनशील होता है। Knight के अनुसार इन परिवर्तनों के परिणाम स्वरूप लाभ धनात्मक या ऋणात्मक हो सकते है।

iv) लाभ अवशेष आय नहीं -

Prof. Knight के इस बात की आलोचना करते हुए J. F. Weston ने कहा कि यह आवश्यक नहीं कि निर्णय करने वालों को अवशेष आय प्राप्तकर्ताओं के रूप में क्षतिपूर्ति की जाय। निर्णय करना एक आर्थिक सेवा है। विशेषज्ञ प्रबंध अपनी इसी सेवा का विक्रय कर आय प्राप्ती करते है यह लाभ नहीं।

v) अनिश्चितता वहन उत्पादन का पृथक साधन नहीं-

हम जानते है की उत्पादन के लिए भूमि, पूँजी, श्रम, साहस और संगठन प्रमुख साधन है। अनिश्चितता उत्पादन के साथ ही विद्यमान होजाता है जिसे Knight ने अलग से प्रदर्शित करने की कोशिश की जो गलत है।

vi) एकाधिकार लाभ का अध्ययन नहीं -

Knight का यह लाभ सिद्धान्त एकाधिकारी लाभ पर ध्यान नहीं देता। प्रतियोगिता वाली फर्मों की तुलना में एकाधिकारी फर्मों को आधिक लाभ की प्राप्ति होता

है और वह अनिश्चितता के प्रकार तो नहीं ही होती है। अतः यह आलोचनात्मक विषय है।

Prof. Knight के लाभ सिद्धान्त में उपर्युक्त की सारी कमियाँ है फिर भी Prof. Knight का यह अनिश्चितता वहन का लाभ सिद्धान्त लाभ के अन्य सिद्धान्तों की तुलना में सर्वाधिक सही एवं उपयुक्त है।